किशोरों के मानसिक व सामाजिक विकास का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

डॉ. अशोक*

ओपन स्कॉलर, समाजशास्त्र विभाग, जींद, हरियाणा, भारत

Email ID: *ashokkaushik0503@gmail.com*

Accepted: 06.04.2022 **Published**: 01.05.2022

मुख्य शब्द: किशोर, मानसिक विकास, सामाजिक विकास तथा शैक्षिक उपलब्धि।

शोध आलेख सार

बालक के विकास में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। बालक का सर्वांगीण विकास शिक्षा द्वारा ही संभव है। किशोरों के मानसिक व सामाजिक विकास को सही दिशा दिखाने के लिए शिक्षा की आवश्यकता और महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। किशोर का मानसिक व सामाजिक विकास उसके सम्पूर्ण व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। किशोरों के मानसिक व सामाजिक विकास पर शैक्षिक उपलब्धि का प्रभाव पड़ता है अथवा नहीं ? इस प्रश्न का उत्तर प्राप्त करने के लिए शोधकर्ता ने इस विषय का चुनाव किया है। इस शोध का मुख्य उद्देश्य है – ''किशोरों के मानसिक व सामाजिक विकास का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना''। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए कक्षा 9वीं व 10वीं के 100 किशोरों को न्यादर्श के रूप में लिया गया है। शोध से सम्बन्धित आंकड़ों का संकलन करने हेतु जलोटा द्वारा निर्मित मानसिक योग्यता परीक्षण व स्वनिर्मित शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण तथा स्वनिर्मित सामाजिक विकास मापनी का प्रयोग किया गया है तथा शोध से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए प्रोडक्ट मोमेन्ट सहसम्बन्ध विधि का प्रयोग किया गया। परिणामतः प्राप्त हुआ कि मानसिक व सामाजिक विकास का किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक रूप से सार्थक प्रभाव पड़ता है। किशोरों का मानसिक व सामाजिक विकास का स्तर जितना उच्च होता है, उनकी शैक्षिक उपलब्धि भी उतनी अधिक होती है।

पहचान निशान

प्रस्तावना :–

किशोरावस्था तेज वृद्धि और विकास की अवस्था होती है, इसमें किशोरों का शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा संवेगात्मक विकास तीव्र

गति से होता है। इस अवस्था के अन्त तक उसका विकास अपने चरम पर पहुंच जाता है। मानसिक विकास बालक के विकास के सभी आयामों को प्रभावित करता है। मानसिक विकास में शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण है। शिक्षा किशोरों के मानसिक विकास को सही दिशा प्रदान करने का कार्य करती है। किशोरों का मानसिक विकास उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर कैसे और किस रूप में प्रभावित करता है, को जानने के लिए शोधकर्त्री ने प्रस्तुत विषय का चुनाव किया है।

सामाजिक विकास का किशोर के जीवन में विशेष महत्व है। बालक को समाज में समायोजन स्थापित करने तथा सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने, योग्य बनाने और व्यवहार व व्यक्तित्व को सही दिशा देने के लिए सामाजिक विकास करना आवश्यक है।

शैक्षिक उपलब्धि व्यक्ति में शैक्षिक श्रेष्ठता के एक खास स्तर को प्राप्त करने की क्षमता होती है। शैक्षिक उपलब्धि से तात्पर्य विद्यार्थी द्वारा प्राप्त किये जाने वाले ज्ञान व कौशल से होता है, जिसे विद्यार्थी विद्यालय में ग्रहण करता है।

डम्बिल के अनुसार :–

''विद्यार्थी के द्वारा ग्रहण किये जाने वाली ज्ञान कुशलता एवं क्षमता शैक्षिक उपलब्धि कहलाती है।''

हालक्वीस्ट के अनुसार :–

''शैक्षिक उपलब्धि वह परिणाम है, जो विद्यार्थियों को आगे कार्य करने के लिए प्रेरित एवं उत्साहित करता है।''

इस तरह इन परिभाषाओं से स्पष्ट होता है कि शैक्षिक उपलब्धि से तात्पर्य विद्यार्थी द्वारा ग्रहण की जाने वाली ज्ञान व कुशलता से है जो उसे कार्य करने के लिए प्रेरित व उत्साहित करती है। शैक्षिक उपलब्धि पर मानसिक विकास का प्रभाव भी पड़ सकता है।

शोध का महत्व :–

एक अच्छा शोध वही होता है, जिसके परिणाम मानव जीवन के लिए उपयोगी होते हैं। व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास उनके व्यक्तित्व को संतुलित बनाता है, उसमें मानसिक विकास तथा सामाजिक विकास एक महत्वपूर्ण आयाम है। किशोरों का मानसिक विकास करना शिक्षा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। मानसिक विकास का किशोर की योग्यताओं और क्षमताओं पर भी प्रभाव पड़ता है। किशोरों के मानसिक विकास की गति क्या है? तथा उनकी शैक्षिक उपलब्धि कैसी है? किशोरों के मानसिक विकास का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर क्या प्रभाव पड़ता है? आदि महत्वपूर्ण प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करने में तथा समस्या का निवारण करने में प्रस्तुत शोध महत्वपूर्ण और लाभकार सिद्ध होगा।

मानसिक विकास की भांति किशोरों का सामाजिक विकास करना शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य है। किशोर का सामाजिक विकास उसकी शैक्षिक उपलब्धि को भी प्रभावित करता है। बालक के मानसिक विकास का स्तर क्या है ? मानसिक विकास उसकी शैक्षिक उपलब्धि को किस प्रकार प्रभावित करता है ? आदि कुछ ऐसे प्रश्न हैं, जिसका उत्तर प्राप्त करने हेतु यह शोध कार्य किया जा रहा है, जिससे महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त होंगें।

समस्या कथन :–

"किशोरों के मानसिक व सामाजिक विकास का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन।"

अध्ययन के उद्देश्य :–

1. किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके मानसिक विकास के प्रभाव का अध्ययन करना।
2. किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके सामाजिक विकास के प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ :–

1. किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके मानसिक विकास का सार्थक प्रभाव पड़ता है।
2. किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके सामाजिक विकास का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

परिसीमन :–

1. प्रस्तुत शोध को सूरतगढ़ के सरकारी तथा निजी विद्यालयों के किशोरों तक सीमित रखा गया है।
2. इस शोध कार्य में किशोरों के अन्तर्गत किशोर व किशोरियों दोनों का अध्ययन किया गया है।
3. सम्बन्धित शोध के न्यादर्श के अन्तर्गत माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 9 व 10 के 100 किशोरों को लिया गया है।

शोध विधि :–

कोई भी शोध कार्य शोध विधि के अभाव में सम्भव नहीं है। शोधकर्त्ता शोध की प्रकृति व उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए शोध विधि का चुनाव करता है। प्रस्तुत शोध हेतु इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए शोधकर्ता ने अनुसंधान की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

न्यादर्श :–

सम्पूर्ण जनसंख्या पर शोध करना सम्भव नहीं होता है क्योंकि जनसंख्या की सभी इकाईयाँ उपलब्ध नहीं हो पाती है। अध्ययन को त्रुटि रहित बनाने तथा विश्वसनीय और वैध परिणाम प्राप्त करने हेतु न्यादर्श का प्रयोग किया जाता है। प्रस्तुत शोध में शोधकर्ता ने यादृच्छिक निदर्शन विधि से न्यादर्श का चुनाव किया है। सम्बन्धित शोध का न्यादर्श निम्न सारणी द्वारा प्रस्तुत किया गया है :–

न्यादर्श सारणी

सारणी संख्या 1

विद्यालय / विद्यार्थी	सरकारी विद्यालय	निजी विद्यालय	योग
किशोर	25	25	50
किशोरियाँ	25	25	50
योग	**50**	**50**	**100**

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि प्रस्तुत शोध के न्यादर्श हेतु 100 किशोरों को लिया गया है, जिसमें से 50 किशोर विद्यार्थियों को सरकारी विद्यालयों तथा 50 किशोरों को निजी विद्यालयों से लिया गया है। दोनों ही प्रकार के विद्यालयों में क्रमशः 25–25 किशोर व किशोरियों को लिया गया है।

उपकरण :–

प्रस्तुत शोध में दत्त संकलन हेतु निम्नांकित उपकरणों का प्रयोग किया गया है :–

1. सामूहिक मानसिक योग्यता परीक्षण – जलोटा
2. स्वनिर्मित शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण
3. स्वनिर्मित सामाजिक विकास मापनी

सांख्यिकीय विधि :–

शोधकर्ता ने आँकड़ों का विश्लेषण करने हेतु मध्यमान व प्रोडक्ट मोमेन्ट सह–सम्बन्ध विधि का प्रयोग किया है।

आँकड़ों का विश्लेषण :–

किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके मानसिक विकास के प्रभाव का अध्ययन निम्न तालिकाओं द्वारा प्रस्तुत किया है :–

1. किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके मानसिक विकास के प्रभाव का अध्ययन :–

सारणी संख्या 2

क्र. सं.	चर	मध्यमान	सहसम्बन्ध गुणांक (r)	परिणाम
1	मानसिक विकास	58.78	0.587	सार्थक प्रभाव पड़ता है।
2	शैक्षिक उपलब्धि	45.65		

उपरोक्त सारणी द्वारा किशोरों के मानसिक विकास व शैक्षिक उपलब्धि के आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। किशोरों के मानसिक विकास व शैक्षिक उपलब्धि के आँकड़ों का मध्यमान क्रमशः 58.78 व 45.65 प्राप्त हुआ है तथा सह–सम्बन्ध गुणांक 0.587 प्राप्त हुआ है जिससे स्पष्ट होता है कि किशोरों के मानसिक विकास व शैक्षिक उपलब्धि में सकारात्मक सह–सम्बन्ध होता है जो यह दर्शाता है कि किशोरों के मानसिक विकास का शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव पड़ता है। अतः परिकल्पना संख्या 1 ''किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके मानसिक विकास का सार्थक प्रभाव पड़ता है'', स्वीकृत होती है।

2. किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके सामाजिक विकास के प्रभाव का अध्ययन :–

सारणी संख्या 3

क्र. सं.	चर	मध्यमान	सहसम्बन्ध गुणांक (r)	परिणाम
1	सामाजिक विकास	54.82	0.539	सार्थक रूप से सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
2	शैक्षिक उपलब्धि	45.65		

उपरोक्त सारणी द्वारा किशोरों के सामाजिक विकास व शैक्षिक उपलब्धि के आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। किशोरों के सामाजिक विकास व शैक्षिक उपलब्धि के आँकड़ों का मध्यमान क्रमशः 54.82 व 45.85 प्राप्त हुआ है तथा सह–सम्बन्ध गुणांक 0.539 प्राप्त हुआ है जिससे स्पष्ट होता है कि किशोरों के सामाजिक विकास व शैक्षिक उपलब्धि में सकारात्मक सह–सम्बन्ध होता है जो यह दर्शाता है कि किशोरों के सामाजिक विकास का शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव पड़ता है। अतः परिकल्पना संख्या 2 ''किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके सामाजिक विकास का सार्थक प्रभाव पड़ता है'', स्वीकृत होती है।

निष्कर्ष :–

आँकड़ों का विश्लेषण करने के उपरान्त शोधकर्ता ने शोध से सम्बन्धित महत्वपूर्ण निष्कर्ष प्राप्त किये हैं, जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

1. किशोरों के मानसिक विकास का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव पड़ता है। मानसिक विकास का स्तर जितना उच्च होता है, शैक्षिक उपलब्धि भी उतनी अधिक होती है।

2. किशोरों के सामाजिक विकास पर शैक्षिक उपलब्धि का सार्थक प्रभाव पड़ता है। सामाजिक विकास का स्तर जितना उच्च होगा, शैक्षिक उपलब्धि भी उतनी ही अधिक होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. पाठक, पी.डी. (2019), शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
2. भटनागर, सुरेश (1994–95), शिक्षा मनोविज्ञान, लॉयल बुक डिपो, मेरठ प्रकाशन।
3. शर्मा रामनाथ (1983), शिक्षा मनोविज्ञान, रस्तोगी पब्लिकेशन, मेरठ।
4. माथुर, डॉ. एस.एस. (2014), शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
5. सिंह, प्रसाद एवं भार्गव (2016), मनोविज्ञान एवं शिक्षा में सांख्यिकी के मूल आधार, हरप्रसाद भार्गव, आगरा
6. वर्मा, रामपाल सिंह (2017), शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
7. माधव, शीला (2009) माध्यमिक स्तर पर एकल एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों की समायोजन क्षमता व शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन।
8. लोदवाल, दिप्ती (2009) सरकारी व निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों की सांस्कृतिक विचारधाराओं व समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन।
9. शर्मा, अनुराधा (2009) माध्यमिक स्तर पर अभिभावक प्रोत्साहन का विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन।
10. कुमार, अनुज (2010) 21वीं सदी में उच्च शिक्षा की चुनौतियाँ, भारतीय आधुनिक शिक्षा।
11. गुप्ता एस.पी., गुप्ता अल्का (2007) सांख्यिकीय विधियाँ, इलाहाबाद शाखा पुस्तक भवन।
12. शशिकला, सरीन एवं सरीन (2008) शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ, विनोद पुस्तक मन्दिर।
13. डॉ. डी.एन. श्रीवास्तव (2006–2009) सांख्यिकी एवं मापन अग्रवाल पब्लिकेशन।
14. प्रसाद लोकेश के (2010) अनुसंधान पद्धति शास्त्र, नई दिल्ली कावेरी बुक्स।
15. डॉ. विपिन अस्थाना (2010–2011) शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी, अग्रवाल पब्लिकेशन।